

भारत सरकार  
रेल मंत्रालय

लोक सभा  
04.08.2021 के  
अतारांकित प्रश्न सं. 2557 का उत्तर

मोबाइल ट्रेन रेडियो संचार प्रणाली

2557. श्री सुधीर गुप्ता:

श्री बिद्युत बरन महतो:

श्री रवि किशन:

श्री सुब्रत पाठक:

श्री रविन्दर कुशवाहा:

श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

श्री प्रतापराव जाधव:

श्री वी.के. श्रीकंदन:

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:

श्री चंद्र शेखर साहू:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या भारतीय रेल ने देश में रेलगाड़ियों के लिए मोबाइल ट्रेन रेडियो संचार (एमटीआरसी) प्रणाली शुरू की है;
- (ख) यदि हां, तो नई संचार प्रौद्योगिकी का ब्यौरा और इसकी मुख्य विशेषताएं क्या हैं;
- (ग) क्या नई एमटीआरसी के चालू होने से पहले ही भारतीय रेल के कुछ रेकों में यह प्रणाली स्थापित की जा चुकी है;
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यह प्रणाली प्रतिकूल घटनाओं को रोकने और रेकों की सुचारु आवाजाही में अब तक किस सीमा तक सहायक रही है;
- (ङ) क्या देश में चलने वाली सभी रेलगाड़ियों में एमटीआरसी स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है;
- (च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और एमटीआरसी प्रणाली की स्थापना में होने वाले संभावित व्यय का ब्यौरा क्या है; और
- (छ) उक्त प्रयोजन के लिए आवंटित, जारी और अब तक उपयोग की गई निधियों का जोन-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री  
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): जी हां। भारतीय रेल ने 3460 मार्ग कि.मी. में मोबाइल संचार (रेलवे) तथा टेरोस्ट्रियल ट्रंकड रेडियो (टेट्रा) आधारित मोबाइल गाड़ी रेडियो संचार प्रणाली (एमटीआरसी) के लिए वैश्विक प्रणाली मुहैया कराई है। इसका रेलवे-वार ब्यौरा परिशिष्ट में दिया गया है।

एमआरटीसी ट्रेन कर्मिदल नियंत्रक, अनुरक्षण कर्मचारी तथा स्टेशनों पर स्टेशन मास्टर के बीच सीधे संवाद का एक सुरक्षित माध्यम है। इसमें लोकेशन आधारित एड्रेसिंग तथा फंक्शनल एड्रेसिंग की विशिष्टता है।

(ग) और (घ): 2002 में, एनालॉग आधारित एमटीआरसी प्रणाली पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल के चर्चगेट-विरार उप नगरीय खंड में 150 कैब/75 लोकल ईम्यू रेलगाड़ियों में लगायी गयी थी।

यह प्रणाली वर्ष 2006 में मुंबई लोकल रेलगाड़ियों में बम विस्फोट के दौरान उपयोगी थी। नियंत्रक इस प्रणाली के माध्यम से कर्मिदल से संपर्क करता है और आगे की संभाव्य घटनाओं को रोकने के लिए सभी कैबों में उदघोषणा भी करता है।

(ङ) से (छ): 6860 करोड़ रु की लागत पर भारतीय रेल पर 34304 मार्ग कि.मी पर लॉग टर्म इवोल्यूशन (एलटीई) आधारित एमआरटीसी के प्रावधान संबंधी अन्य कार्य को अनुमोदित किया जा चुका है। चालू वित्त वर्ष में 22 करोड़ रु. आवंटित किए गए हैं।

निधियों का उपयोग कार्य के निष्पादन पर निर्भर करता है। हाल ही में, इसके लिए वर्णक्रम (स्पेक्ट्रम) आवंटित किया गया है।

\*\*\*\*\*

मोबाइल ट्रेन रेडियो संचार प्रणाली के संबंध में 04.08.2021 को लोक सभा में श्री सुधीर गुप्ता, श्री बिद्युत बरन महतो, श्री रवि किशन, श्री सुब्रत पाठक, श्री रविन्दर कुशवाहा, श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक, श्री प्रतापराव जाधव, श्री वी.के. श्रीकंदन, श्री श्रीरंग आप्पा बारणे और श्री चंद्र शेखर साहू के अतारंकित प्रश्न सं. 2557 के भाग (क) और (ख) के उत्तर से संबंधित परिशिष्ट।

(क) और (ख): भारतीय रेल पर जीएसएम-आर/टेटा आधारित मोबाइल गाड़ी रेडियो संचार प्रणाली (एमटीआरसी) की स्थिति:

क्रम सं.	सेक्शन	रेलवे	मार्ग किमी
1	हावड़ा-धनबाद	पूर्व	270
2	धनबाद-मुगलसराय	पूर्व मध्य	400
3	पलवल-झांसी	उत्तर मध्य	353
4	गाजियाबाद-अलीगढ़-कानपुर-एएलडी-डीडीयू	उत्तर मध्य	760
5	नई दिल्ली-पलवल और दिल्ली क्षेत्र सहित नई दिल्ली-अंबाला-लुधियाना	उत्तर	372
6	लुधियाना-पठानकोट-जम्मू तवी-अमृतसर	उत्तर	455
7	लखनऊ-कानपुर	उत्तर	75
8	न्यू जलपाईगुड़ी-बोंगाईगांव-गुवाहाटी	पूर्वोत्तर सीमा	410
9	न्यू जलपाईगुड़ी-बारसोई-मालदा टाउन तथा बारसोई-कटिहार	पूर्वोत्तर सीमा	270
10	कोलकाता मेट्रो	मेट्रो	28
11	पूर्वी-पश्चिमी कोरीडोर-फूलबागान से सेक्टर-V	मेट्रो	7.5
12	चर्चगेट-विरार	पश्चिम	60
	कुल (मार्ग कि.मी.)		3460.5

\*\*\*\*\*